Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 60, सोमवार, 26 मार्च 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

यूपी:गोद भराई के लिए जा रहे परिवार के पांच लोगों की सड़क हादसे में मौत

आगरा (एजेंसी)। आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर दर्दनाक हादसे में दो सगे भाईयों व पिता पुत्री सहित पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। अलीगढ़ से गोद भराई की रस्म करने बदायूं जा रहे परिवार की कार को सामने से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दी। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उत्तेजित लोगों ने हाईवे पर दो घंटे तक जाम लगाये रखा। एसपी के आश्वासन पर जाम खोला गया। पांच लोगों की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है। अलीगढ़ जनपद के थाना क्वारसी अन्तर्गत देवी नगला मौहल्ला निवासी नरदेव शर्मा ने अपने बेटे विकास की शादी बदायूं जनपद में इस्लामनगर के निकट तिवारी गांव में तय की थी। रविवार को पूरा परिवार स्विफ्ट कार में सवार होकर गोद भराई की रस्म के लिए तिवारी गांव जा रहा था। आगरा मुरादाबाद नेशनल हाईवे के खजरा मोड़ पर बहजोई की तरफ से आ रहे तेज गति डंपर ने स्विफ्ट कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में नरदेव के बड़े बेटे सोनी उर्फ सचिन के अलावा योगेश पुत्र कृपाशंकर की मौके पर ही मौत हो गई। योगेश की बहन साक्षी,नरदेव के दूसरे बेटे विकास के अलावा राहुल पुत्र भोलाशंकर,काजल पुत्री देवेंद्र को गंभीर हालत में बहजोई सीएचसी भेजा गया जहां दस वर्षीय साक्षी,विकास व राहुल की भी मौत हो गई। पांच लोगों की मौत की जानकारी मिलने के बाद खजरा खाकम गांव के लोगों ने नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। गांव के लोगों का कहना था कि मोड़ पर अक्सर हादसों में लोगों की जानें जाती हैं मगर बार- बार कहने के बावजूद यहां स्पीड ब्रेकर नहीं बनाये गये। ग्रामीण दो घंटै तक सड़क जाम किये बैठे रहे तो कई थानों की पुलिस के साथ पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंच गये। पुलिस ने अधीक्षक ने ब्रेकर बनवाने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

राहत की बात: 25 शताब्दी ट्रेनों का सस्ता हो सकता है किराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ ऐसे खण्ड के शताब्दी ट्रेनों के किराये में जल्द कमी लाई जा सकती है, जिनमें यात्रियों की संख्या काफी कम है। रेलवे का लक्ष्य इसके जरिये संसाधनों का अधिकतम इस्तेमाल करना है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 25 ऐसी शताब्दी ट्रेनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें इस योजना को लागू किया जा सकता है। एक अधिकारी ने' पीटीआई-भाषा को बताया, 'भारतीय रेलवे इससे जुड़े प्रस्ताव पर सक्रियता से काम कर रहा है। अधिकारी ने बताया कि पिछले साल दो मार्गों पर इस योजना को प्रायोगिक तौर पर शुरू किया गया था, जिसकी सफलता से इस पहल को काफी बल मिला है। उन्होंने बताया कि प्रायोगिक तौर पर जिन दो खण्डों में इसे लागू किया गया है, उनमें से एक में आय में 17 फीसदी का इजाफा हुआ है और 63 प्रतिशत अधिक यात्रियों ने बुकिंग करायी है। इस कदम पर ऐसे समय में विचार किया जा रहा है जब' फ्लेक्सी-फेयर की योजना को लेकर रेलवे आलोचना का सामना कर रहा है। इसको लेकर लोगों में यह धारण बनी है कि इससे शताब्दी, राजधानी और दुरंतो जैसी ट्रेनों के किरायों में वृद्धि हुई है। रेलवे 45 शताब्दी ट्रेनों का परिचालन करती है और ये देश की सबसे दरुत गति की ट्रेनों में से हैं।

पेयजल में कटौती के विरोध में आप का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्लीवासियों के हिस्से के पानी में कटौती के विरोध में शनिवार को आम आदमी पार्टी ने हरियाणा सरकार के खिलाफ हरियाणा भवन के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की अगुवाई दिल्ली कैंट के विधायक कमांडो सुरेंद्र सिंह कर रहे थे। प्रदर्शन में आप के कई विधायकों एवं कार्यकर्ताओं से हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जल्द ही खट्टर सरकार ने इस कटौती को वापस नहीं लिया, तो वह चंड़ीगढ़ के मटका चौक पर मुख्यमंत्री का पुतला फूंकेंगे। प्रदर्शनकारी बंगाली मार्केट में एकत्र हुए और वहां से हरियाणा भवन पहुंचे। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि हरियाणा सरकार ने दिल्लीवासियों के हिस्से के पानी में 70 एमएलडी की कटौती कर दी है। इससे राजधानी में पेयजल संकट खड़ा हो गया है। हरियाणा सरकार द्वारा प्रतिदिन 70 एमएलडी पानी की कटौती से राजधानी के कई इलाकों के लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा है। विधायक कमांडों ने आरोप लगाया कि पानी की कटौती के साथ खट्टर सरकार यमुना में गंदा पानी भेज रही है।

बेहाल किसान

सेकंड स्टाप स्थित अंबेडकर मैदान पर सागर से आए किसानों ने फसल मुआवजा सहित ब्याज माफी व अन्य मांगों को लेकर धरना दिया। सागर से करीब दो सौ किलोमीटर पैदल चलकर आने से इनके पैरों में छाले पड़ गए हैं।

कानपुर के इस डॉक्टर के सेवाभाव पर फिदा हो गए पीएम मोदी, मन की बात में किया जिक्र

कानपुर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कानपुर के डॉ. अजीत मोहन चौधरी की कार्यशैली के मुरीद हो गए हैं। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर के डॉक्टर अजीत मोहन चौधरी की सेवा भाव का जोरदार ढंग से जिक्र किया है। डॉक्टर चौधरी का कानपुर में सौ बेड का बड़ा अस्पताल है, लेकिन उन्होंने अपने पेशे में सेवा भाव को बड़ी वरीयता दी है। वह आज भी कानपुर में फुटपाथ पर बैठकर गरीब मरीजों का इलाज करते हैं। 6 मार्च के अंक में छपी खबर 'गरीबों की मदद के लिए फुटपाथ पर ही खोल दिया क्लीनिक' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संज्ञान में लिया है। खबर पढ़कर प्रधानमंत्री ने क्लीनिक चला रहे डॉ. अजीत मोहन चौधरी से बात करने की इच्छा जताई थी। इसके लिए प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी। डीएम सुरेन्द्र सिंह ने खबर पर मुहर लगा दी और रिपोर्ट पीएमओ को भेज दी थी। पहले यह बताया जा रहा था कि पीएम डॉ अजीत मोहन से 16 अप्रैल को होने वाले मन की बात कार्यक्रम में जिक्र करेंगे, लेकिन पीएम ने रविवार को ही अपने कार्यक्रम में उनका जिक्र कर कानपुर की छाती गर्व से चौड़ी कर दी।

क्या कहा पीएम ने मन की बात

जब मुझे कानपुर के डॉक्टर अजीत मोहन चौधरी की कहानी सुनने को मिली कि वो फुटपाथ पर जाकर ग़रीबों को देखते हैं और उन्हें मुफ़्त दवा भी देते हैं - तब इस देश के बन्धु-भाव को महसूस करने का अवसर मिलता है

»» महिला पत्रकारों से छेड़छाड़ व उनके कैमरे छीनने का पुलिस पर आरोप

पत्रकारों से मारपीट पर पुलिस मुख्यालय के सामने नारेबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपी स्टेट थाना अंतर्गत पुलिस मुख्यालय के सामने जमा होकर सैकड़ों पत्रकारों ने पुलिस की कार्यपग्राली के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पत्रकारों का कहना है। पुलिस इन दिनों मनमानी कर रही है और इसका शिकार रिपोर्टर व फोटोग्राफर हो रहे हैं। पुलिस पर आरोप है कि जेएनयू छात्रों के आंदोलन के दौरान एक महिला पत्रकार से छेड़छाड़ की गई। एक अन्य महिला फोटोग्राफर के साथ मारपीट कर उसका कैमरा छीन लिया गया। इससे पहले भी एक फोटोग्राफर को सीलिंग के दौरान कैमरे छीनकर हिरासत में ले लिया गया था। इस बात से नाराज पत्रकारों समेत फोटोग्राफर ने दिल्ली पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार को जेएनयू के छात्रों द्वारा निकाले गए संसद मार्च को रोका गया था। आरोप है कि वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने छात्रों से मारपीट की और उन पर पानी की बौछार की और कवरेज कर रहे एक महिला फोटोग्राफर ने जब वहां कुछ तस्वीरें अपने कमरे में कैद करने लगीं तब पुलिसकर्मी उस पर भी टूट पड़े थे। महिला पुलिसकर्मियों ने महिला फोटोग्राफर से हाथापाई की थी। इस दौरान वह अपना कैमरा नहीं तोड़ने के लिए गुहार लगाती रही। बाद में उसका कैमरा भी गायब कर दिया गया। एक अन्य घटना में जेएनयू छात्रों के प्रदर्शन को कवर कर रही एक महिला पत्रकार से दिल्ली कैंट एसएचओ ने कथित तौर पर छेड़छाड़ कर दी। आरोप है कि महिला पत्रकार की छाती पर हाथ मारते हुए एसएचओ ने उसे धक्का दिया जबकि महिला ने इस मामले की शिकायत की तो उसकी शिकायत भी नहीं ली गई। इससे पहले अमर कॉलोनी में एक सीलिंग ड्राइव के दौरान भी फोटोग्राफर को हिरासत में लेकर पुलिस ने कैमरा छीन लिया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद उसे छोड़ा गया था। इसी बात को लेकर विभिन्न मीडिया संगठनों से सम्बद्ध पत्रकारों के एक समूह ने दिल्ली पुलिस मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन कर मीडिया कर्मियों के साथ मारपीट एवं छेड़छाड़ के आरोपी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस बाबत प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन वीमेंस प्रेस कॉर्प्स, प्रेस एसोसिएशन और फेडरेशन ऑफ प्रेस क्लब्स इन इंडिया द्वारा जारी किए एक संयुक्त बयान में दोषी अफसरों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की गई है।

यूपी:निखिल बनकर 'मुशर्रफ' करता था आतंकियों की मदद, एटीएस ने पकड़ा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 10 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के महानिरीक्षक असीम अरुण ने लखनऊ में बताया कि गोरखपुर, लखनऊ, प्रतापगढ़ और मध्य प्रदेश के रीवा में मारे गये छापों और पूछताछ के बाद 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के लिये 'टेरर फंडिंग में मदद का जुर्म कबूल कर लिया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गये लोगों संजय सरोज, नीरज मिश्रा, साहिल मसीह, उमा प्रताप सिंह, मुकेश प्रसाद, निखिल राय, अंकुर राय, दयानन्द यादव, नसीम अहमद तथा नईम अरशद में से कुछ लोगों के तार सीधे तौर पर पाकिस्तान से जुड़े हैं।

अरुण ने बताया कि जांच में यह खुलासा हुआ कि गिरफ्तार निखिल राय का नाम वास्तव में मुशर्रफ अंसारी है और वह कुशीनगर का रहने वाला है। इस मामले में उसकी भूमिका की गहनता से जांच हो रही है।

टेरर फंडिंग के संदेह में एटीएस ने 4 मोबाइल व्यापारियों को उठाया

अरुण ने बताया कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का कोई सदस्य लाहौर से फोन और इंटरनेट के जरिये अपने नेटवर्क के सदस्यों के सम्पर्क में रहता था और उनसे फर्जी नाम से बैंक खाते खोलने के लिये कहता था। वह बताता था कि कितना धन किस खाते में डालना है। इसके लिये इन भारतीय एजेंटों को 10 से 20 प्रतिशत कमीशन मिलता था। अभी तक एक करोड़ रुपये से अधिक के लेन-देन की बात सामने आयी है। उन्होंने बताया कि अभी तक जो खुफिया जानकारी मिली है, उसके मुताबिक पकड़े गये लोगों के तार लश्कर और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं। उनमें से कुछ लोग इसे लॉटरी फ्रॉड मान रहे थे, जबकि कुछ को साफ मालूम था कि यह आतंकी फंडिंग है। उन्होंने कहा कि इस बात की जांच होगी कि जिस धन का लेन-देन हुआ, वह किसके खाते में गया।

इस मामले में सम्बन्धित बैंककर्मियों की भूमिका की भी जांच होगी और दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि पकड़े गये लोगों के कब्जे से बड़ी संख्या में एटीएम कार्ड, लगभग 42 लाख रुपये नकद, छह स्वैप मशीनें, मैग्नेटिक कार्ड रीडर, तीन लैपटॉप, एक देसी पिस्तौल और 10 कारतूस, बड़ी संख्या में अलग-अलग बैंकों की पासबुक इत्यादि बरामद किये गये हैं।

शर्मनाक! अच्छे नंबर देने के बदले प्रोफेसर ने छात्रा से मांगा Kiss, गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। परीक्षा में ज्यादा नंबर देने के बदले एक प्रोफेसर ने बी कॉम की छात्रा से किस मांगने का शर्मनाक मामला सामने आया है।

मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद स्टूडेंट्स के परिजन सकते में हैं।

घटना मुंबई के एक कॉलेज की है। आरोप है कि 35 साल के एक जूनियर प्रोफेसर ने परीक्षा में अच्छे नंबर देने के बदले 17 वर्षीय छात्रा से किस की डिमांड कर दी। घटना से आहत छात्रा डिप्रेसन में चली गई और गुमसुम सी रहने लगी। इस पर उसके घर वालों ने पूछा तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। घर वालों के पूछने पर छात्रा ने आरोपी प्रोफेसर की सारी करतूत बता दी।

इसके बाद पीड़िता के घरवालों ने पुलिस के पास जाकर शिकायत दर्ज कराई।

इसके पीड़िता के परिवार वालों सोशल मीडिया पर कैम्पेन चलाकर लोगों से साथ देने की अपील की। इसके बाद सैकड़ों लोग इकट्ठा होकर थाने के बाहर धरना दिया ताकि पुलिस मामले पर तेजी से कार्रवाई कर सके।

पुलिस ने अब आरोपी प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है कि घटना 8 मार्च की थी लेकिन छात्रा के घरवालों ने जानकारी मिलने के बाद शनिवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

वाराणसी : निगम सदन में हंगामा करने पर 4 पार्षद गिरफ्तार, कई पर FIR दर्ज

वाराणसी (एजेंसी)। वाराणसी नगर निगम में हंगामा और तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने 4 पार्षदों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं को नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ बलवा, सरकारी काम में बाधा डालने, तोड़फोड़ और लोकसेवक को भयभीत करने समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए वीडियों फुटेज खंगाल रही है। नगर निगम के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब विरोध प्रदर्शन करने वाले पार्षदों के खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने चार पार्षदों को भी गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पहली तहरीर अपर नगर आयुक्त मोती लाल सिंह ने तो दूसरी तहरीर भाजपा पार्षद और सदन के उपनेता डॉ. राजेश जायसवाल ने पार्टी के सभी पार्षदों की ओर से दी है। दोनों तहरीरों के आधार पर पुलिस ने कांग्रेस पार्षद सीताराम केशरी, निर्दल पार्षद प्रशांत सिंह उर्फ पिंकू, सपा पार्षद अंकित यादव, कांग्रेस के अरशद उर्फ लड्डू, कमल पटेल, भईया लाल यादव, सुनील यादव, निर्दल पार्षद बबलू साह, सुनील यादव, अवनीश यादव और अंकित यादव समेत एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसी मामले में पुलिस ने पार्षद भइयालाल यादव, अवनीश यादव, सुनील यादव और बबलू शाह को गिरफ्तार किया है। चारो सभासद हंगामा के दौरान मौजूद थे और मौके से पकड़कर लाए गये थे। दूसरी ओर थाने में बैठाए गये पार्षदों को छुड़ाने के लिए कांग्रेस के पूर्व विधायक अजय राय, सपा जिलाध्यक्ष डॉ. पियूष यादव और महानगर अध्यक्ष राजकुमार जायसवाल समेत सैकड़ों सपा व कांग्रेस के समर्थक थाने के बाहर जुटे रहे। रात नौ बजे तक पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश होती रही। उधर, एसपी सिटी और सीओ कैंट ने बताया कि पुलिस ने भी घटनाक्रम की वीडियोग्राफी करायी है।

थाने पर किया प्रदर्शन

प्रदर्शन कर रहे पांच पार्षदों को पुलिस जब तेलियाबाग से उठाकर कैंट थाने ले गई तो वहां पर कांग्रेस के पूर्व विधायक अजय राय समेत सपा नेता भी पहुंच गये। नेताओं ने थाने में पुलिस अफसरों से बातचीत की। एसीएम चतुर्थ व सीओ कैंट ने मामले को गंभीर बताया। लेकिन नेता पार्षदों को छुड़ाने के लिए हंगामा करते रहे। कार्यकर्ता रह-रहकर नारेबाजी कर रहे थे।

1.38 लाख फर्जी लाभार्थी पकड़े गए

गर्भवती महिलाओं-बच्चों के भोजन में भारी घोटाला,

नई दिल्ली। गर्भवती महिलाओं और बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए बांटे जा रहे पोषाहार में भारी घोटाला सामने आया है।

देश में 1.38 करोड़ ऐसे लाभार्थी पकड़े गए हैं जो फ़र्जी तरीके से इस योजना का लाभ ले रहे थे।

महिला व बाल विकास मंत्रलय के सूत्रों ने माना कि कई राज्यों में समन्वित बाल विकास योजना के तहत फर्जी पंजीकरण कराया गया। योजना को आधार से जोड़ने के बाद यह फर्जीवाड़ा पकड़ में आया। राज्यों से मिले आंकड़ों के मुताबिक 31 मार्च 2017 से 8 फरवरी 2018 के बीच 1 करोड़ 38 लाख 93 हजार लाभार्थी घट गए।

31 मार्च 2017 तक 9 करोड़ 83 लाख 42 हजार 390 लाभार्थी थे, जो 8 फरवरी 2018 को 8 करोड़ 44 लाख 49 हजार 188 रह गए।

योजना के तहत छह साल तक के बच्चों, गर्भवती महिलाओं को पोषाहार दिया जाता है।

केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री मेनका गांधी ने कहा कि सतत निगरानी और आधार से फर्जी लाभार्थी पकड़े गए। इन्हें मंत्रालय की सभी कल्याणकारी योजनाओं से निकाल दिया गया है।

यूपी बिहार में 80 प्रतिशत फर्जी

64 लाख से अधिक फर्जी लाभार्थी अकेले यूपी में थे

64.12 लाग लोग बिहार में भी गलत लाभ उठा रहे थे

5 लाख झारखंड और चार लाख पंजाब में फर्जी लाभार्थी

कोई चुनाव मत करिए, जीवन को ऐसे अपनाइए जैसे वो अपनी समग्रता में है। ओशो

''फेसबुक साम्राज्यवाद'

आभासी दुनिया नई साम्राज्यी दुनिया है, जिसके पीछे बड़ी पूंजी खड़ी है। पहली बार हो रहा है कि हम सिर्फ नाम के ''कर्ता' रह गए हैं। असली कर्ता तो कोई और है। कुछ बरस पहले एक विज्ञापन टीवी चैनलों में अक्सर आया करता था। एक बाजार का सीन होता था। छोटी-छोटी दुकानें। कोई कुछ खरीदता था, कोई कुछ। एक दो लड़कियां दुकान के आगे कुछ खरीदने के लिए खड़ी होतीं तो कुछ मनचले उन पर फब्तियां कसते, छेड़ते दिखते। तभी सामने वाले सरदार जी (दुकानदार) ऊपर लगे सीसीटीवी कैमरे को दिखाकर उन लफंगों को चेताते: ऊपर वाला सब देख रहा है। लफंगे ऊपर लगे कैमरे को देखते ही भाग जाते। ये ''निर्भया कांड' के बाद के दिन थे। दिल्ली को सेफ बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरे सड़कों पर लगाने की मांग उठ रही थी। यह विज्ञापन ऐसे कैमरों की जरूरत पर जोर देता था कि अगर ये कैमरे लगे होंगे तो बदमाश की हिम्मत नहीं होगी कि किसी को छेड़ सके। डाटा के इस खुले डाके ने कुछ बातें एकदम साफकर दी हैं: आप जिस फेसबुक को एक दूसरे से जोड़ने का मंच मात्र समझे थे, वह सिर्फ मंच मात्र नहीं है, उसमें आपके द्वारा हर रोज दर्ज की जाती निजी जानकारियों को न केवल चुराने या खरीदने वाले मौजूद हैं, बल्कि आपको कुछ भी बताए बिना आपके दिलोदिमाग को वे इच्छित दिशा में मोड़ने वाले भी हैं। इस वक्त इक्कीस करोड़ सत्तर लाख भारतीय फेसबुक पर सक्रिय हैं। वे जो कुछ लिखते हैं, वह सब डाटा है। फेसबुक डाटा चोरी प्रकरण के बाद कई विशेषज्ञ चिंतित हैं। फेसबुक जैसे आभासी मंचों से सबसे अधिक खतरा जनतंत्र को है। बड़ी पूंजी ''बड़ी जानकारी'; बिग डाटा लेकर विशेषज्ञों से बारीकी से छनवाती है, और वर्गीकृत कराके ''जन मनोविज्ञान और जन व्यवहार' पर असर डालती है ताकि करोड़ों लोग वही करें जिसे करने के लिए कहा गया है। ये नये दिमागी खेल हैं, जिनको फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्स ऐप की शौकीन जनता के साथ ''खेला' जाता है, और ऐसे लोग कभी नहीं जान पाते कि उनको खिलाने वाला कौन है? उनकी कमान किसके हाथ में है? वह कोई मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन हो सकता है, कोई सीआईए, केजीबी हो सकती है, कोई ''ऊपरवाला' भी हो सकता है, जो पहले सिर्फ देखा करता था, अब बिना बताए अपनी इच्छित दिशा में ठेलता भी है। ये ''फेसबुक साम्राज्यवाद' के दिन हैं। आभासी दुनिया नई साम्राज्यी दुनिया है, जिसके पीछे बड़ी पूंजी खड़ी है। अपने को हर तरह से सुरक्षित करने के लिए अब वह हमारी रुचियों में बैठने लगी है, और अपना मानसिक गुलाम बनाए जा रही है। साइबर सूत्र और वर्चुअल के शौकीन हम अपने आपको शौक शौक में गुलाम बनवाए जा रहे हैं। पहली बार हो रहा है कि हम सिर्फ नाम के ''कर्ता' रह गए हैं। असली कर्ता तो कोई और है।

''प्रजा के सुख

मनुष्य के समृद्ध जीवन के लिए विवेकपूर्ण आास्ति या कल्याण का विचार ही संगत है। तब खुशहाली और श्रेष्ठ जीवन की संभावना दोनों ही विद्यमान होंगे। मूल्यों की प्रतिष्ठा वाले जीवन का कोई विकल्प नहीं है ''प्रजा के सुख में ही राजा का सुख निहित होता है', ऐसा आचार्य कौटिल्य ने कहा था। इसलिए मध्य प्रदेश सरकार ने खुशी सूचकांक निर्धारित करने का बीड़ा उठाया है। दूसरी ओर, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पहली से आठवीं कक्षा तक खुशी का पाठ्यक्रम चलवाने जा रहे हैं। बगल के देश भूटान ने कई सालों से खुशी को राष्ट्रीय नीति का हिस्सा बना रखा है। निश्चय ही खुशहाली समाज के स्वास्य की सूचक है। खुशी एक अर्थ में अपने जीवन की स्थिति को लेकर संतुष्टि का मूल्यांकन भी है। खुशी वस्तु में होती तो वस्तु का हर मालिक खुश होता पर ऐसा नहीं है। फूल, खुशबू, रंगीन दृश्य, झरने, पर्वत, मित्र मंडली, संगीत, नृत्य या सिनेमा ये सब हमारी खुशी के लिए उद्दीपन तो हो सकते हैं पर हर किसी के लिए खुशी की गारंटी नहीं दे सकते। दरअसल, खुशी देने वाली चीजों की यह सूची ज्यादातर हमारे मनोभाव और मानसिक स्थिति पर निर्भर करती है। तभी तो शायद कहते हैं, ''जिया जब झूमे सावन है'। इस मन की अजीब फितरत है कि वह उसी का हो जाता है, जिधर जाता है। मन के अनुकूल परिस्थिति हो तो सुख ही सुख होता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 20 मार्च की तिथि को खुशहाली के दिन के रूप में मनाने का संकल्प 2013 से ले रखा है। इन्हें देख कर नैतिक जीवन और खुशहाल जीवन के बीच का रिश्ता समझना कठिन हो जाता है। पसंद-नापसंद की ठीक-ठीक चेतन प्रतीति ही नहीं होती है। अत: आत्मबोध या आत्मज्ञान बड़ा आवश्यक है। साथ ही, यह नहीं भूलना चाहिए कि करमरी नहीं कि खुशी की खोज खुशी की प्राप्ति करा ही देगी क्योंकि वह एक छलावा जैसी है। खुशी की खोज में लगने पर खुशी की अनुभूति घटती जाती है। असमानता, भ्रष्टाचार और अन्याय के विभिन्न रूप विकासशील और विकसित, दोनों ही तरह के देशों में है। नैतिक मूल्यों और आचार की उपेक्षा की कीमत पर भौतिक समृद्धि निर्थक ही सिद्ध हो रही है। करुणा, धैर्य, सहिष्णुता, क्षमा जैसे आंतरिक मूल्यों को जो मानव स्वभाव के अंग हैं। धरती पर चारों ओर खुशहाली लाने के लिए हमें इनको प्रतिष्ठित करना होगा। यह मनुष्य होने का तकाजा है। करीब सभी धर्मो ने इसे रेखांकित किया है परंतु ये मूल्य किसी एक धर्म/पंथ में नहीं हैं। ये शाश्वत और सार्वभौमिक महत्त्व के हैं। स्वयं में जीवनदायी हैं, और इन्हीं से होकर सुख और समृद्धि की डगर आगे बढ़ती है।

सामूहिक नरसंहार

विपक्ष ने सरकार पर देश की भावनाओं के साथ खेलने का आरोप लगाया है, तो सरकार ने विपक्ष पर संवेदनहीन होने का। इसमें उन परिवारों की पीड़ा अनदेखी-सी महसूस हो रही है, जो चार साल तक हर पल जिंदगी और मौत का दंश एक साथ झेलते रहे। समय बीतने और लापता भारतीयों से संपर्क नहीं होने के बाद भी मामले में विशेष प्रगति नहीं हुई। पिछले साल जब मोसुल से आतंकियों का कब्जा हटा तो केंद्रीय मंत्री मोसुल गए और आखिरकार, इराकी सरकार के सहयोग और राडार की मदद से एक पहाड़ी टीले के नीचे इन लाशों को ढूंढ़ निकाला गया। लाशों की गिनती और बुनियादी पहचान से इनके भारतीय होने की लगभग पुष्टि उसी समय हो गई थी।

सतीश पेडणोकर

सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक काम अगर कर दिया होता तो शायद वह मृतक के परिजनों के लिए और मृत आत्माओं के लिए सुकून वाली बात होती। अगर संसद में पक्ष-विपक्ष ने मिलकर इस सामूहिक नरसंहार के लिए आइएस के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव पारित कर दिया होता, तो आज देश और दुनिया में माहौल कुछ और होता। मौतों पर मातम मनाने का वक्त है। इसलिए भी कि आतंकी दरिंदों ने 39 भारतीयों की परदेस में सामूहिक हत्या कर दी, और इसलिए भी कि अब देश में इन मौतों पर राजनीति हो रही है। विपक्ष ने सरकार पर देश की भावनाओं के साथ खेलने का आरोप लगाया है, तो सरकार ने विपक्ष पर संवेदनहीन होने का। इसमें उन परिवारों की पीड़ा अनदेखी-सी महसूस हो रही है, जो चार साल तक हर पल जिंदगी और मौत का दंश एक साथ झेलते रहे। समय बीतने और लापता भारतीयों से संपर्क नहीं होने के बाद भी मामले में विशेष प्रगति नहीं हुई। पिछले साल जब मोसुल से आतंकियों का कब्जा हटा तो केंद्रीय मंत्री मोसुल गए और आखिरकार, इराकी सरकार के सहयोग और राडार की मदद से एक पहाड़ी टीले के नीचे इन लाशों को ढूंढ़ निकाला गया। लाशों की गिनती और बुनियादी पहचान से इनके भारतीय होने की लगभग पुष्टि उसी समय हो गई थी। लेकिन संसद में इस दुखद घटना की पुष्टि भी हंगामों और राजनीतिक बवाल से नहीं बच सकी। पूरे मामले में मृतक के परिजनों की भी अपनी भावनाएं रहीं और उस शख्स की भी, जिसने इस घटना के चश्मदीद होने का दावा किया था और जिसके दावे को सरकार नकारती रही थी। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने हर किसी को जवाब देने की कोशिश की ताकि किसी के भी आरोपों की जद में वे स्वयं या उनकी कोशिश, जो लापता 39 भारतीयों को खोजने की थी, न आ सकें। घटना के चश्मदीद हरजीत मसीह के साथ बुरा बर्ताव भारत में हुआ है। यह इस हद तक हुआ है कि हरजीत कह रहा है कि अच्छा होता अगर वह भी उस नरसंहार में मारा गया होता, गोली खाकर बच नहीं निकला होता। एक व्यक्ति झूठ बोल सकता है। कोई आदतन बोलता है, कोई फायदे के लिए बोलता है, और कोई डींग हांकने के लिए बोलता है। मगर झूठ से भी सच पकड़ने की कोशिश सरकार करती है, और इसलिए ऐसे व्यक्ति का भी महत्त्व होता है। 39 लापता भारतीयों को खोजने में अगर इस शख्स का इस्तेमाल सलीके से नहीं किया गया तो यह बहुत बड़ी गलती है। बारंबार मोसुल में नरसंहार की घटना की पुष्टि नहीं करना, यह कहते रहना कि वे जिंदा हो सकते हैं। साथ में यह कहना कि जब तक सबूत नहीं मिलेंगे, घटना की पुष्टि सरकार नहीं करेगी। ये ऐसी बातें थीं जो निराश परिजनों में आशा भर रही थीं। इन बातों में जो निराशा वाली बात है, और जिसे सुषमा स्वराज आज जोर देकर बता रही हैं, उस निराशा की बात को पहले से ही निराश परिजन क्यों स्वीकार करें। निराश व्यक्ति तो उम्मीद की ही बातों को स्वीकार करता है। जब विदेश मंत्री मृत परिजनों के घर जाकर दिलासा दिलाती हैं, तो उम्मीद ही करेंगे परिजन या कि दूसरे विकल्प पर जाएंगे? फिर भी बीतते समय के साथ-साथ उम्मीद भी खत्म होती जा रही थी। पिछले साल जब केंद्रीय मंत्री मोसुल गए और लाशों का सच पता चला, उसके बाद से भी सरकार तब तक चुप्पी साधे रही जब तक कि डीएनए का मिलान नहीं हो गया। तकनीकी रूप से सरकार बिल्कुल सही है। मगर सवाल मानवीय व्यवहार का है। मृतक के परिजनों ने जो आरोप लगाए और विपक्ष ने जो आरोप केंद्र सरकार पर लगाए-दोनों में बड़ा फर्क है। इस फर्क को भी समझने की जरूरत है। मृतक के परिवार भावनात्मक रूप से तो आहत हुए ही, इस रूप में भी आहत हुए कि मौत नहीं मानने की वजह से उन्हें कई तरह की दिक्कतों का भी सामना करना पड़ा। आप सोच सकते हैं कि लाइफइन्श्योरेंस कम्पनियां क्या मृत्यु की पुष्टि के बिना आश्रितों को कोई मुआवजा देती हैं? खुद सरकार तो तब तक किसी मुआवजे का ऐलान नहीं करेगी, जब तक कि मौत की पुष्टि न हो जाए? परिजनों को इस वजह से जो कष्ट हुआ, उसे तो वे व्यक्त करेंगे ही। हालांकि वे ऐसे मौके पर ऐसी बातें नहीं कह पाते। उनके शब्दों में छिपी भावना समझने की जरूरत होती है। वे बस सरकार से रूठे या नाराज होते दिखना चाहते हैं ताकि ऐसी दिक्कतों का कोई रास्ता निकल सके। एक बात और महत्त्वपूर्ण है। जब 2017 में आईएस की पकड़ मोसुल में कमजोर हुई और वे भागने को मजबूर हुए, उससे पहले तक यहां लापता भारतीयों के बारे में कुछ भी पता लगा पाना भारत सरकार के लिए मुश्किल था। जब इराक में संवाद कर पाने वाली सरकार का प्रभाव बरकरार हुआ, तभी इस दिशा में सरकार काम कर सकी। अगस्त में जनरल वीके सिंह का जाना, टीले की खुदाई, अवशेषों के साथ मिली सामग्री की जांच, भारत में मृत परिजनों के डीएनए सैम्पल लेना, उसे इराक भेजना और मिलान कराना सारी प्रक्रियाएं तभी सम्भव हो सकीं। विपक्ष ने जब केंद्र सरकार पर आरोप लगाए तो उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को ध्यान में रखने की जरूरत नहीं समझी। उन्होंने इस बात की भी परवाह नहीं की कि केंद्र सरकार को लापता भारतीयों की खोज में किन-किन परेशानियों का सामना करना पड़ा होगा। दूसरी पार्टियों को भले ही न पता हो, लेकिन लंबे समय से सत्ता में रही कांग्रेस को कम से कम इन दिक्कतों के बारे में बेहतर तरीके से पता है। पहले संसद को जानकारी दी जाए या परिजनों को उनके आश्रितों के मरने की जानकारी मिले, यह बात बहस का विषय जरूर है। सुषमा स्वराज ने संसद में जानकारी देने को अपना धर्म बताया। यह किसी हद तक सही है। मगर चूंकि यह लंबे समय से इंतजार का मामला था, परिजनों की उम्मीद का मामला था, उन्हें दिए गए भरोसे का सवाल था, इसलिए उनकी इच्छा का सम्मान रखना जरूरी था। वैसे भी स्वाभाविक रूप से मृतक के परिजनों को जानकारी पहले प्राप्त करने का अधिकार होता है।सवाल उठता है कि क्या विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संसद का सत्र चलते हुए जो सबसे पहले संसद को जानकारी देने का धर्म बताया, क्या वह गलत है? इसका जवाब परंपरा से दिया जा सकता है, कोई थंब रूल नहीं है। नीतिगत मामलों में सबसे पहले संसद को बताना जरूर राजनीतिक धर्म माना गया है, लेकिन यह मामला नीतिगत था या नहीं; इस बात पर भी विचार करना होगा। लापता भारतीयों की खोज के मामले में जो प्रश्न उठाए गए हैं, वे प्रश्न अपनी जगह जायज होते हुए भी भारत सरकार के प्रयास को कोई खारिज नहीं कर सकता। इसी तरह से सरकार अगर अपने प्रयासों का जिक्र करती है, तो इन उठते प्रश्नों को भी सरकार खारिज नहीं कर सकती। दोनों पक्षों को अपनी-अपनी बात रखते हुए एक दूसरे की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए। फिर भी जिम्मेदारी सरकार से अधिक अपेक्षित है।सत्ता पक्ष और विपक्ष ने एक काम अगर कर दिया होता तो शायद वह मृतक के परिजनों के लिए भी और मृत आत्माओं के लिए भी सुकून वाली बात होती। अगर संसद में पक्ष-विपक्ष ने मिलकर इस सामूहिक नरसंहार के लिए आईएस के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर दिया होता तो आज देश और दुनिया में माहौल कुछ और होता।

चलते चलते

मनस्वी और तेजस्वी

किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। वहीं मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं।

जिसके पास बुद्धि है, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं। मूढ़ के लिए किसी अच्छाई या बुराई का मानदंड केवल दूसरों द्वारा उसे अच्छा या बुरा कह देना मात्र होता है। इनमें विवेक और बुद्धि का अभाव होता है। अकारण दूसरों को हानि पहुंचाने और निंदा करने में दुर्जन आनंद पाते हैं। मूर्ख होने के कारण दंड के अभाव में वे भले लोगों के लिए संकट बन जाते हैं। वहीं मनस्वी एक बार जो बात स्वीकार लेते हैं, उससे संकट में भी विचलित नहीं होते। पर्वतीय नदी की धारा की तरह वे एक बार आगे बढ़ जाने पर पीछे मुड़ना नहीं जानते। तेजस्वी का तेज प्रतिकूल परिस्थितियों में और अधिक उद्दीप्त होता है। लक्ष्य महान होने के कारण अपने से शक्तिहीन लोगों पर तेज नहीं प्रकट किया जाता। तेजस्वी के सामने अन्याय नहीं टिकता। तेजस्विता जन्मजात होने से किसी समय प्रभाव दिखा ही देती है। महापुरुष धीर व परोपकारी होते हैं। मित्रों के प्रति सच्चे, ईमानदार होने के कारण अपना स्वार्थ त्याग मित्र के कार्य को प्राथमिकता देते हैं। कृतज्ञ, शरणागत-वत्सल भेदरहित रहकर किसी के आगे हाथ नहीं फैलाते। आवश्यक होने पर किसी मध्यस्थ को रखकर अभ्यर्थना के पूर्ण न होने पर सम्मान बचाते हैं। एक बार कार्य स्वीकार कर लेने पर उसे पूरा करके ही मानते हैं। दयालु और कारुणिक होने से दूसरे के दुख को देखकर इनका हृदय पिघल जाता है। इन्हें धन, जीवन का कोई मोह नहीं होता, केवल अपने यश और मान की चिंता रहती है। अपने द्वार से किसी को खाली हाथ लौटाने को महापुरुष मृत्यु से बढ़कर मानते हैं। संकट और प्रतिकूलताएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। परमसिद्ध की साधना से निकली वाणी सत्य की तरह होती है। क्रोध महाविनाशक और करुणा महान उपकारक होती है। जहां इनके चरण पड़ते हैं, वह स्थान तीर्थ-सा पावन हो जाता है। अन्याय करने वाले को समर्पण करने पर ये क्षमा कर देते हैं। सज्जन सद्गुणों के अवतार होते हैं। सरल, सौम्य रहते हैं। दूसरे संत के बढ़ते तप, तेज और महत्व को देखकर प्रसन्न होते हैं। कुछ विद्वान अपने विषय के दूसरे विद्वानों के बढ़ते हुए आधार को सहन नहीं कर पाते। गुणवान अपना आत्म-सम्मान बचाते हैं।

ट्रंप के उतावलेपन

ट्रंप के उतावलेपन से चीन के साथ भारत के बाजार भी धड़ाम हो गए हैं। इस तरह से तीनों देश की अर्थव्यवस्थाएं व्यापार युद्ध के मुहाने पर खड़ी हो गई हैं। भारत में ही कल शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी पांच महीने में सबसे कम पर बंद हुए जबकि एशियाई देशों के बाजार का इससे भी बुरा हाल था। भारत के सेंसेक्स में 1.2 फीसद गिरावट की तुलना में जापान, चीन और कोरियाई बाजारों में कम क्रमश: 4.5 फीसद, 3.4 फीसद चीन और 3.2 फीसद का नुकसान हुआ। भारतीय बैंकों के शेयर में भी गिरावट रही। अभी तो शुरुआत में ही लुढ़कने की इन दरों को देखते हुए जानकार हैरान-परेशान हो गए हैं। यह ताजा संकट ट्रंप के फैसले के चलते आया है, जिसके तहत उन्होंने स्टील और अल्युमीनियम पर कर बढ़ाने का विचार किया है। व्यापार असंतुलन दूर करने के लिए यह उपाय किया गया है। इसके तहत भारत से ज्यादा चीन पर सबसे ज्यादा 60 बिलियन डॉलर कर लगा कर उनके सस्ते उत्पादों को अमेरिका में महंगा कर उनकी बिक्री सीमित कर देना है। इससे अमेरिकी उत्पादों की खरीद-बिक्री बढ़ेगी और उससे आए धन का उपयोग रोजगार बढ़ाने में किया जाएगा। यह सही है कि सस्ते होने के कारण चीनी उत्पाद अमेरिका समेत पूरी दुनिया में छाये हुए हैं। दूसरे, व्यापार असंतुलन चीन के पक्ष में होने से अमेरिकी अर्थव्यवस्था डगमगाई हुई है। भारत के साथ व्यापार में भी पलड़ा चीन की तरफ झुका हुआ है। सो ट्रंप चीन के साथ अमेरिका के व्यापार का संतुलन करना चाहते हैं। चुनाव प्रचार के दौरान से ही। वहीं, वह आयात कर बढ़ा कर चीन को बौद्धिक सम्पदा की चोरी के लिए दंडित करना चाहते हैं। उनके नेतृत्व का मानना है कि चीन अमेरिकी वस्तुओं के मॉडलों की चोरी कर उनका सस्ता और ललचाऊ उत्पाद बाजार में उतार देता रहा है। अमेरिका ने स्टील पर 25 फीसद और अल्युमिनियम पर 10 फीसद टैक्स बढ़ा दिये हैं। उसका तर्क है कि व्यापार संतुलन के साथ इन उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिकी दादागीरी कायम रखने के लिए जरूरी है, नहीं तो युद्ध के हालात में उसके पास स्टील कम पड़ जाएगा। हालांकि ट्रंप के इस तर्क में छेद ही छेद हैं।

एक तो कि वह स्टील की आपूत्तर के लिए अपने मित्र देशों यूरोपीयन यूनियन और कनाडा पर निर्भर हैं। दूसरे, बढ़ी हुई ड्यूटी से ट्रंप ने यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया और कनाडा को बाहर रखा हुआ है। इसके बावजूद यूरोपीयन यूनियन ने टैक्स लादने की उसकी नीति की बिना नाम लिये मुखालफत की है, जबकि नाटो ने तो बाकायदा नाम लेकर विरोध किया है। विदेश ही नहीं, खुद अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने भारत को संरक्षण देने की बात करते हुए चीन से भी ऐसे भिड़ने पर आपत्ति जताई है। रिपब्लिकन ने खुलेआम नाखुशी जाहिर की है।

पूरी दुनिया में मुक्त व्यापार के प्रति आग्रह बढ़ा है, जिसमें नियंतग्र कारोबार की शर्त उत्पादों की गुणवत्ता और उनके दामों पर टिकी होती है जबकि अमेरिका का ताजा कदम संरक्षणवादी और प्रतिगामी है। अगर व्यापार असंतुलन है तो उनको दूर करने के जाहिर लोकतांत्रिक मंच और तरीके हैं। जैसे भारत ने अमेरिका के निर्णय के विरुद्ध डब्ल्यूटीओ की राह पकड़ी है। हालांकि चीन ने जैसा का तैसा देने की बात की है। इससे आने दिनों में ट्रेड वार बढ़ेगा, अर्थव्यवस्थाएं ढीली होंगी और लोग परेशान होंगे। बेहतर है, नियंतग्र मंच का उपयोग किया जाए।

सत्संग

पढ़ी-लिखी महिला राष्ट्र के लिए हितकारी

इस समय देश में जहां भी जाओ, एक आदर्श वाक्य पढ़ने-सुनने में आता है- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ा ओ। यह अच्छा विचार है लेकिन, इसके पीछे के यथार्थ को नहीं भूलना चाहिए। सर्वोदयी नेता दादा धर्माधिकारी ने इस पर बहुत सुंदर चिंतन किया है। बेटी पढ़ा ने में तो कोई मतभेद होना ही नहीं चाहि ए। पढ़ी -लिखी स्त्री न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए हितकारी है। 'बेटी बचाओ' का अर्थ केवल कन्या भ्रूण हत्या से ही नहीं लिया जाए। दरअसल इसके पीछे एक मनोविज्ञान है। सामाजिक रूप से स्त्री-पुरुष का भेद मिटना चाहिए लेकिन, देह की दृष्टि से इसे यथार्थ से देखना चाहिए। जो नुकसान स्त्री अपनी देह पर आक्रमण होने पर उठाती है, वैसा पुरुष नहीं उठाता। जब स्त्री की देह पर आक्रमण होता है तो शरीर व भावना दोनों आहत होते हैं। किसी स्त्री को कितनी ही ताकत दे दी जाए, पर देह के मामले में उसे सावधानी रखनी ही पड़ेग। यही सावधानी उसकी सबसे बड़ी सुरक्षा है क्योंकि प्रकृति ने स्त्री देह का गठन ही ऐसा किया है कि उस पर आक्रमण का नुकसान पुरुष के नुकसान से अधिक है। असावधानी और असुरक्षा के चलते ही सर्वाधिक समर्थ और सुरक्षित स्त्री सीता का भी अपहरण रावण ने कर लिया था। आज की स्त्रियां अगर सीता की तरह समर्थ हैं तो भी उन्हें सावधानी तो रखनी ही होगी। विवेकानंदजी के हिसाब से तो संसार की सबसे समर्थ स्त्री सीता मानी गई हैं पर उन्हें भी दुर्गुण रूपी रावण की कुटिलता की कीमत चुकानी पड़ी थी। इसलिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का यथार्थ दृश्य भी दिमाग में रहना चाहिए।

फोटोग्राफी...

15 हजार फीट ऊंचाई पर जहां एक घंटे रुकना मुश्किल, वहां बिताए 24 घंटे

यह फोटो पेरु की 'लागुना 69' झील का है, जो पश्चिमी क्षेत्र हॉसकारन नेशनल पार्क में स्थित है। इसका निर्माण ग्लेशियर के पानी से हुआ है। इस जगह पर किसी के भी लिए एक घंटे रुकना मुश्किल होता है क्योंकि तापमान बहुत कम होता है और दूर तक आबादी वाला कोई क्षेत्र नहीं है।

नीदरलैंड्स मूल के फोटोग्राफर क्रिस कोनिग ने वहां पूरे 24 घंटे बिताए। उन्होंने कहा, मुझे इस जगह की ज्यादा जानकारी नहीं थी। रात में वन्यजीवों की आवाज आ रही थी, लेकिन जैसे-तैसे मैं एक दिन पूरा करना चाहता था और मैं इसमें सफल रहा। क्रिस सुबह साढ़े पांच बजे उठ गए लेकिन सूर्योदय नहीं हुआ था। कुछ ही देर बाद सामने ग्लेशियर पर सूरज की रोशनी पड़नी शुरू हुई और पूरा वातावरण चमक गया। वहां प्रत्येक 200 मीटर की ऊंचाई पर तापमान 1 डिग्री सेल्सियस कम होने लगता है। दिन के उजाले में रहा जा सकता है, लेकिन रात बिताना बहुत मुश्किल है।

Instagram.com

SCHOLARSHIP ALERT

छात्रवृत्ति : प्रो एनएस रामास्वामी प्री. डोक्टरोल फैलोशिप 2018

- **विवरण:** पोस्टग्रेजुएट व अन्य उच्च शैक्षणिक योग्यता वाले विद्यार्थी डिसीजन साइंस, इकोनॉमिक्स एंड सोशल साइंस एंटरप्रेन्योरशिप सहित अन्य मैनेजमेंट विषयों में पीएचडी करने के इच्छुक हों, वे उल्लेखित स्कॉलरशिप में आवेदन कर सकते हैं।
- **मानदंड:** आवेदक जो एससी, एसटी, आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी जाति, दिव्यांग, महिला व ट्रांस जेंडर में से किसी वर्ग से हों, ग्रेजुएशन, पोस्टग्रेजुएशन, उच्च शिक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक हों।
- **आवेदन करे:** इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
- **छात्रवृत्ति/लाभ:** 25000 मासिकभत्ता, फुल ट्यूशन फीस, 8000 रुपए हाउसरेंट, 25000 रुपए आकस्मिक अनुदान व अन्य लाभ प्राप्त होंगे।
- **अंतिम तिथि:** 1 अप्रैल 2018 शाम 5 बजे तक।
- **आवेदन हेतु लिंक:** http://www.b4s.in/Raj/TPN1

छात्रवृत्ति : पीजीडीएम एडमिशन स्कॉलरशिप टू मैरिटोरियस स्टूडेंट 2018

- **विवरण:** भारतीय मेधावी ग्रेजुएट वद्यार्थी सीएटी, एमएटी, एक्सएटी, जीएमएटी, सीएमएटी आदि से कोई एक एंट्रेंस टेस्ट पास विद्यार्थी व मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा करने के इच्छुक विद्यार्थी उल्लेखित स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं।
- **मानदंड:** कम से कम 60 प्रतिशत अंकों से ग्रेजुएट व उल्लेखित किसी एक एंट्रेंस एग्जाम में अच्छा स्कोर करने वाले विद्यार्थी।
- **आवेदन करे:** इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
- **छात्रवृत्ति/लाभ:** अंकों के आधार पर 60000 रुपए से 100000 रुपए की फीस में छूट प्राप्त होगी।
- **अंतिम तिथि:** 31 मार्च 2018
- **आवेदन हेतु लिंक:** http://www.b4s.in/Raj/PAS3

छात्रवृत्ति : टीयू डेल्फ्ट अप्लाइड साइंसेज फैकल्टी स्कॉलरशिप 2018

- **विवरण:** मेधावी ग्रेजुएट विद्यार्थी नीदरलैंड की डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से केमिकल इंजीनियरिंग, अप्लाइड फिजिक्स, लाइफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी साइंस एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन या नेनो बायोलॉजी विषय से एमएससी करने के इच्छुक हों।
- **मानदंड:** उत्कृष्ट शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले विद्यार्थी उल्लेखित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री हेतु डेल्फ्ट यूनिवर्सिटी में दाखिला ले चुके हों।
- **आवेदन करे:** इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
- **छात्रवृत्ति/लाभ:** दो साल की फीस व रखरखाव खर्च में सहायता प्राप्त होगी।
- **अंतिम तिथि:** 31 मार्च 2018
- **आवेदन हेतु लिंक:** http://www.b4s.in/Raj/TDA2

छात्रवृत्ति : क्वीन्सलैंड यूनिवर्सिटी पोस्ट ग्रेजुएट को कॉलरशिप 2018

- **विवरण:** भारतीय मेधावी ग्रेजुएट साइंस विद्यार्थी ऑस्ट्रेलिया की क्वीन्सलैंड यूनिवर्सिटी से बायोटेक्नोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी या बायो इन्फार्मेटिक्स प्रोग्राम्स विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के इच्छुक हों, वे उल्लेखित स्कॉलरशिप में आवेदन कर सकते हैं।
- **मानदंड:** साइंस ग्रेजुएट जिन्होंने सात सेमेस्टर में कम से कम 80 फीसदी अंक या आठ सेमेस्टर में 75 फीसदी प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।
- **आवेदन करे:** इच्छुक विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
- **छात्रवृत्ति/लाभ:** लगभग 16640 ऑस्ट्रेलियन डॉलर प्रतिवर्ष प्राप्त होंगे।
- **अंतिम तिथि:** 31 मार्च 2018
- **आवेदन हेतु लिंक:** http://www.b4s.in/Raj/QUP1

छात्रवृत्ति : कोलोन ग्रेजुएट स्कूल पीएचडी स्कॉलरशिप्स 2018

- **विवरण:** इकोनोमिक्स, मैनेजमेंट या सोशल साइंससे पोस्ट ग्रेजुएशन, जर्मन डिप्लोमा या समकक्ष डिप्लोमा कर चुके मेधावी विद्यार्थी जर्मनी स्थित कोलोन ग्रेजुएट स्कूल से तीन वर्षीय पीएचडी करने के इच्छुक हों, वे उल्लेखित स्कॉलरशिप में आवेदन कर सकते हैं।
- **मानदंड:** विद्यार्थी उल्लेखित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट, जर्मन डिप्लोमा या समकक्ष डिप्लोमाधारको व ग्रेजुएशन स्तर पर अपने विषय में टॉप 10 फीसदी प्रतिशत विद्यार्थियों में शामिल रहा हो।
- **आवेदन करे:** ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।
- **छात्रवृत्ति/लाभ:** 1200 यूरो प्रतिमाह प्राप्त होंगे। यह स्कॉलरशिप कर मुक्त होगी व अधिकतम तीन वर्ष हेतु दी जाएगी।
- **अंतिम तिथि:** 31 मार्च 2018
- **आवेदन हेतु लिंक:** http://www.b4s.in/Raj/CGS9

ब्रह्मांड नायक प्रभु श्री राम के जन्मोत्सव पर

मर्यादा पुरुषोत्तम राम: एक ज्योतिषीय परिक्रमा

सृष्टि संचालक विराट महापुरुष की सूर्य व चन्द्रमा के समान ये दोनों आंखें, सम्पूर्ण मानव सभ्यता को प्रेरणा देती रहेंगी। मर्यादा पुरुषोत्तम राम युग-युगांत तक याद किये जायेंगे। भगवान श्रीराम राघवेन्द्र थे। इनका जन्म अयोध्या में हुआ। वे समस्त भारत भू-मंडल के चक्रवर्ती सम्राट कहलाते थे। सूर्यवंशीय श्रीराम चैत्र शुक्ल, नवमीं, दिन को ठीक 12 बजे अभिजित मुहूर्त में अवतीर्ण हुए।

पंडित पीएन भट्ट
अंतरराष्ट्रीय ज्योतिर्विद
अंकशास्त्री एवं हस्तरेखा विशेषज्ञ
संचालक: एस्ट्रो रिसर्च सेंटर
जी-4/4,जीएडी कॉलोनी, गोपालगंज, सागर (मप्र)
मोबाइल: 09407266609, 8827294576
फोन: 07582-223168, 223159

भगवान श्रीराम की कुण्डली में सूर्य, मंगल, गुरू, शनि उच्च राशिगत तथा चन्द्र स्वक्षेत्री थे। भगवान राम का जन्म चर लग्न में हुआ। उनकी जन्म पत्रिका के चारों केन्द्रों में उच्च के ग्रह पंच महापुरुष के योग का निर्माण कर रहे हैं। वृहस्पति से हंस योग, शनि से शश योग, मंगल से रूचक योग का निर्माण हो रहा है। लग्नस्थ कर्क राशिगत् गुरु और चन्द्र गज केसरी योग। कर्क लग्न में सप्तमस्थ उच्च राशिगत् मंगल, पंचमेश और राज्येश बनकर प्रबल राजयोग बना रहे हैं। सूर्य उच्च राशिगत् होकर राज्य भाव (कर्म भाव) में होने से भगवान राम चक्रवर्ती बने। उन्होंने युगों तक

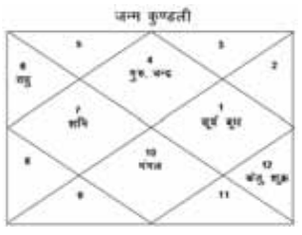

राज्य किया। भगवान श्रीरामचन्द्र जी की जन्म कुण्डली पर अपनी अल्प बुद्धि से ज्योतिषीय विवेचना का प्रयास किया। विद्वत्जन से आग्रह है त्रुटियों को क्षमा करें। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव पर प्रस्तुत है, बड़े विनम्र भक्तिभाव से, यह ज्योतिषीय कलेवर, कौतुकता से इसे निहारें। प्रभु श्रीराम अनंतकाल तक सभी जातकों की रक्षा करें। प्रभु श्रीराम की कुण्डली के दसम् भवन में सूर्य उच्च राशि में विराजमान हैं। सूर्य 12 कलाओं में मर्यादित हैं, फलतः श्रीराम का चरित्र मर्यादित है। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम भी कहा गया है। वे सत्य वक्ता थे। उनके मुख से जो वचन निकल गया, वह सत्य होता था, पूर्ण होता था, अमोघ होता था। महाकवि तुलसीदास जी ने रामायण में लिखा है रघुकुल रीति सदा चली आई, प्राण जाहि पर वचन नहीं जाही। सूर्य, दसम भवन में राज्य कीर्ति का कारक ग्रह भी है अस्तु, प्रभु राम चाहे वे अयोध्या में रहे हों या अपने विद्याकला में गुरु वशिष्ठ के गुरूकुल में अथवा वन में या चक्रवर्ती सम्राट के रूप में अयोध्या में रहे हों। उनकी यश, कीर्ति, न्याय व्यवस्था मानव सभ्यता में सदैव स्तुत्यनीय तथा अनन्तकाल तक कीर्ति, पताका दिग्दिगंत तक फहराती रहेगी।

प्रथम भवन

दशरथ नंदन श्रीराम की जन्म कुण्डली में चन्द्रदेव स्वक्षेत्री होकर कर्क लग्न में, उच्च राशिगत् देवगुरु वृहस्पति के साथ विराजमान होकर कह रहे हैं कि यह जातक तन, मन से विलक्षण प्रतिभा सम्पन्न होकर सुदर्शनीय तो होगा ही, साथ ही शील तत्व, स्वभाव, कार्यकुशलता की दृष्टि से एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का धनी होगा, जिसे विश्व मानव समाज श्रद्धामयी दृष्टि से अपलक निहारता हुआ राममय हो जायेगा।

द्वितीय भवन

भरताग्रज श्रीराम की कुण्डली के द्वितीय भवन का स्वामी नवग्रहों का राजा सूर्य विराजमान हैं राज्य भवन में। सूर्य कुलभूषण श्रीराम इक्ष्वाकु वंश की महानता को कल-कल करती गंगा की तरह सदैव यशस्वी बनाये रखेंगे। ज्योतिषीय ग्रंथों में द्वितीय भवन से जातक के नाक, कान, नेत्र, मुख, दंत, कंठ स्वर, सौन्दर्य, प्रेम आदि से जातक के व्यक्तित्व को देखा जाता है। भगवान श्रीराम सौन्दर्य की अद्भुत प्रतिमा तथा प्रेम के अर्थ को समझने के लिए तीनों माताओं के प्रति श्रद्धा, भाईयों के प्रति अगाध स्नेह, सुमंत से लेकर समस्त अयोध्यावासियों के प्रति कर्तव्यपरायणता, सुग्रीव, विभीषण आदि अनगिनत मित्रों के प्रति चिरस्मरणीय स्नेहमूर्ति तथा भार्या जनकनंदिनी सीताजी के प्रति अलौकिक प्रीति से ही उन्होंने लंकापति रावण से युद्ध की अनिवार्यता स्वीकारी थी।

तृतीय भवन

पवन पुत्र हनुमानजी के इष्ट प्रभु श्रीराम की कुण्डली के तृतीय भवन में कन्या राशिगत् स्वक्षेत्री राहू विराजमान हैं। तृतीय भवन बन्धु, पराक्रम, शौर्य, योगाभ्यास, साहस आदि का मीमांसा का भवन है। भगवान श्रीराम का शौर्य, पराक्रम तो राम-रावण के भीषण युद्ध में परिलक्षित होकर सदैव अविस्मरणीय रहेगा। भ्रात प्रेम में तो प्रभु श्रीराम का भरत प्रेम, जो समस्त प्रेमों की ज्ञान गंगा है।

नवम् भवन

भाग्य भवनस्थ शुक्र- श्री राघव की कुण्डली का भाग्य भवन कम चमत्कारी नहीं है। भाग्य भवन का स्वामी नवमेश गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में चन्द्रदेव की युति के साथ लग्नस्थ है। भाग्येश गुरु गजकेशरी योग बना रहा है, लग्न भवन में। भाग्य भवन में उच्च राशिगत् शुक्र चतुर्थेश तथा द्वादशेश का स्वामी है। माता से लेकर भूमि, भवन, वाहन (रथ) आदि सभी सुखों से पूरित रहे किन्तु, अपनी सप्तम दृष्टि से पराक्रम भवन को निहारते शुक्र ने पराक्रम के प्रदर्शन का माध्यम नारी जाति को बनाया। शुक्र स्त्री ग्रह है। महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या की मुक्ति, रावण से युद्ध में विजयश्री प्राप्त कर अशोक वाटिका से जनकनंदिनी सीता जी की मुक्ति, बालि बध से सुग्रीव की पत्नि रोमा की मुक्ति, श्रीराम की यशोगाथा का एक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर आसुरी शक्तियों का नाश कर ऋषियों तथा जन-जन को निर्भय जीवन दिया, यह प्रभु श्रीराम के भाग्य भवन का पुण्य प्रताप ही तो था।

चतुर्थ भवन

कौशल्यानंदन श्रीराम की जन्म कुण्डली के चतुर्थ भवन में तुला राशि में उच्च राशिगत् शनिदेव विराजमान हैं, ज्योतिष ग्रंथों में चतुर्थ भवन से व्यक्ति के अन्तःकरण, सुख, शांति, भूमि, भवन, बाग-बगीचा, निधि, दया, औदार्य, परोपकार, मातृ सुख आदि का निरूपण जातक की जीवन-शैली में देखा जा सकता है। प्रभु श्रीराम की कुण्डली का चतुर्थेश शुक्र, भाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान है। उच्च राशिगत् शनि प्रभु श्रीराम से मर्यादित जीवन के प्रति आग्रहशील हैं। भूमि, भवन का सुख तो चक्रवर्ती राजा के लिए सहज सुलभ है। अन्तःकरण की दृष्टि से सर्वत्र प्रेम का अनुग्रह तथा दया और औदार्यता महर्षि गौतम की पत्नी अहिल्या को श्रापमुक्त कर पाषाण से नारी रूप प्रदान करना तथा शबरी के जूठे बेर खाना, औदार्यता का सुखद पक्ष है। मातृत्रय कैकयी, कौशल्या, सुमित्रा के प्रति मातृ भक्ति सदैव स्तुत्यनीय एवं प्रेरणास्पद रहेगी।

पंचम भवन

लव-कुश के पिता प्रभु श्रीराम की जन्म कुण्डली में पंचम भवन में वृश्चिक राशि है। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल सप्तम भवन में उच्च राशि में (मकर में) विराजमान है। पंचम भवन से जातक की संतान, स्थावर जंग, हाथ का यश, बुद्धि चातुर्य, विवेकशीलता, सौजन्य तथा परीक्षा में यश प्राप्ति से जुड़ी है। लव-कुश के रूप में महान प्रतापी पुत्र तथा स्थावर संपत्ति के रूप में अयोध्या का चक्रवर्ती साम्राज्य एवं अपनी बुद्धि विवेक के बल सीता की खोज में सुग्रीव से मित्रता, लंका विजय में लंकापति रावण के अनुज विभीषण का युद्ध के पूर्व लंकापति बनाने के लिए राजतिलक करना तथा मर्यादा में रहते हुए खर-दूषण, कुम्भकरण, लंकापति रावण से लेकर अनेक आतातायी असुरों का वध कर रामराज्य की स्थापना करना, बुद्धिचातुर्य की रहस्यमयी परिणिता के सिवा और क्या है?

षष्टम् भवन

असुर विजेता राम-श्रीराम की जन्म कुण्डली षष्टम् भवन धनु राशि अविस्थत है। षष्टम् भवन रोग, शत्रुओं से जातक की कथा-व्यथा का सांकेतिक है। इस भाव से शत्रु कष्ट के अभाव से जुड़े प्रश्नों की रहस्यमयता को उजागर करते हैं। प्रभु श्रीराम की कुण्डली का षष्ठेश धनु राशि के स्वामी देवगुरु वृहस्पति लग्न भवन में कर्क राशिगत् चन्द्रमा के साथ अपनी उच्च राशि (कर्क) में विराजमान होकर गजकेसरी योग बना रहे हैं। जिसका सामान्य भाषा में अर्थ है- वनराज सिंह हाथियों को अपनी एक हुंकार (गर्जना) में भगा देता है। गज याने हाथी, केशरी याने सिंह। गुरु विश्वामित्र से शस्त्र शिद्या में अनेक रहस्यमयी अलौकिक विधाओं का ज्ञान प्राप्त किया, जिसका सर्वप्रथम प्रयोग ताड़का और सुबाहू के वध के रूप में घटित हुआ। श्री रामचन्द्र जी ने जहां-जहां अपने पग रखे, वहां उन्हें यश मिला। शत्रु विजय सीता स्वयंवर से लेकर खरदूषण तथा वानरराज बालि तथा दशानन रावण तक अनेक शक्तिशाली अपराजेय योद्धाओं का वध किया।

तुलसी की रामचरित मानस में.....

खरदूषण मो सम बलबन्ता, मार सकें न बिनु भगवन्ता।

रावण संहिता में दशानन रावण ने धनु राशिगत् षष्टम् भवन की व्याख्या करते हुए लिखा है - ऐसा जातक शत्रुओं का घमंड चूर करने वाला तथा अपने बड़ों को मान देने वाला होता है। त्रेतायुगीन प्रभु श्रीराम ने धरती पर आसुरी शक्तियों का तो नाश किया, साथ ही अपने गुरुओं, ऋषियों-मुनियों को यथेष्ठ सम्मान देकर उनका मान भी बढ़ाया है।

सप्तम् भवन

सीतापति रघुनंदन श्रीराम रघुनन्दन श्रीराम की जन्म कुण्डली के सप्तम भवन में मकर राशि में उच्च राशिगत् भूमि पुत्र मंगल विराजमान हैं। सप्तमस्थ मंगल होने से श्रीराम की कुण्डली मंगली बन गई। मंगल पंचमेश और राज्येश है। गजकेसरी योग की सप्तम दृष्टि दाम्पत्य जीवन को भी प्रभावित कर रही है। जनकनन्दनी सीताजी से उनका विवाह धनुष भंजन के बाद हुआ किन्तु भूमि पुत्र मंगल उच्चासीन होकर कह रहे हैं, जातक को दाम्पत्य जीवन का सुख तो दूंगा, किन्तु अल्पकालीन। सप्तम् भवन से पारिवारिक झगड़े तथा भूत, भविष्य, वर्तमान की स्थिति का सिंहावलोकन भी किया जाता है। मंथरा की षड्यंत्रमयी योजना ने कैकेयी की मति भ्रष्ट की। परिणितीवश श्रीराम को वनगमन, सीताहरण आसुरी शक्तियों का विनाश, लंका विजय के पश्चात् अयोध्या में राजतिलक, वैदेही सीता का त्याग, ऋषि वाल्मीकि के आश्रम में सीता-राम के पुत्रों लव-कुश का जन्म, जनकनंदिनी सीता का भूमि प्रवेश। ये सारे कथानक सप्तमस्थ उच्च राशिगत् मंगल की चेष्टाओं का फल है।

अष्टम् भवन

रघुनंदन का आयु भवन - श्रीराम जी की कुण्डली में अष्टम् भवन में कुम्भ राशि का स्वामी शनि चतुर्थ भवन में अपनी उच्च राशि तुला में विराजमान है। अष्टमेश शनि जातक की दीर्घायु का परिचायक है किन्तु, सप्तमेश और अष्टमेश शनि बलवान स्थिति में होकर जातक को दीघायु तो देता है, वहीं दूसरी ओर दाम्पत्य जीवन में अशुभता भी लाता है। साथ ही मृत्यु स्थान भी यह निर्धारित करता है। अष्टमेश शनि चतुर्थ भवन में होने से पारिवारिक विवाद के कारण वनगमन से सुख की हानि हुई किन्तु, वहां असुरों का विनाश कर यश मिला। रण रिपु अर्थात युद्ध क्षेत्रों में शत्रुओं का दमन भी किया। पृथ्वी से प्रस्थान के बाद चिरकाल तक यशोगाथा अनेक प्रतीकों में बनी रहेगी। यह भी उनके अष्टमेश उच्च राशिगत् न्याय के देवता शनि की महिमा का फल है।

प्रभु श्रीराम की कुण्डली का चतुर्थेश शुक्र, भाग्य भवन में अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान है। उच्च राशिगत् शनि प्रभु श्रीराम से मर्यादित जीवन के प्रति आग्रहशील हैं।

■ दसमस्थ:

रघुनंदन श्रीराम की कुण्डली के दसम भाव अर्थात् राज्य भवन में सूर्य के साथ बुध की युति, बुध आदित्य योग तो बना ही रहा है किन्तु, बुध व्ययेश होने से राजतिलक होते-होते 14 वर्षीय वनवास का योग बन गया। व्ययेश बुध ने राजयोग खंडित किया क्योंकि व्ययेश जिस भवन में विराजमान होता, उसे किंचित सम्मान की हानि तो देता ही है। बुध ने ही उन्हें पिता के सुख से वंचित किया। किन्तु, सूर्य उच्च राशिगत् होकर राजभवन में विराजमान होने से गौरव, ऐश्वर्य एवं नेतृत्व का स्वामी बनाया। पिता की आज्ञा से वन गये। पिता का मान बढ़ाया। आसुरी शक्तियों के विनाश हेतु वानर जाति की सेना का नेतृत्व कर विजयश्री प्राप्त की। अधिकार प्राप्ति के रूप में सम्राट बने अयोध्या के। ईश्वर प्राप्ति भी दसम भवन से देखी जाती है, तो जो स्वयं त्रिभुवनपति हो उसे अपनी भक्ति में लगाकर मोक्ष प्रदान करने में बुध का योगदान महत्वपूर्ण है क्योंकि द्वादश भवन मोक्ष का भवन भी है। अपनी भक्ति से अनेक साधु, संतों, भक्तों तथा पापियों को भी मोक्षगामी बनाने में पथ-पथ पर प्रेरणा दी। प्रभुता भी दसम भवन का एक गुण है। तो श्रीराम प्रभुता पाकर भी दीनों के प्रति भी सदैव सहृदय बने रहे, यही उनकी अनुग्रहमयी प्रभुता है किन्तु स्मरणीय रहे! चतुर्थ भवन उच्च राशिगत् शनि की सप्तम दृष्टि नीचे राशि पर होने के कारण ही उन्हें वनवास में 14 वर्षीय वनवासी जीवन बिताना पड़ा। भले ही प्रकृति की रहस्यमयता आसुरी शक्तियों के विनाश के रूप में रूपांतरित हो गई हो किन्तु मंगल की चतुर्थ स्वक्षेत्री दृष्टि और सूर्य के उच्च राशिगत् प्रभाव से वनवास की समाप्ति के पश्चात् पुनः राज्यारोहण ग्रहों की अपनी रहस्यमयी कलात्मक शक्तियों की ओजस्वीयता तो स्वीकारी ही जायेगी।

■ एकादश भवन:

एकादश भवन मूलतः लाभ, सम्पन्नता, वाहन, वैभव, स्वतंत्र चिन्तन के रूप में ज्योतिषीय ग्रंथों में स्वीकारा गया है। जन-जन के प्रभु श्रीराम स्वतंत्र चिन्तन के रूप में नैसर्गिक अर्थात् प्राकृतिक सम्पदाओं से मुक्ति का बोध कराते हैं। भक्त वत्सल प्रभु श्रीराम का मानव से लेकर समस्त जीवों के प्रति उदार भाव तो था ही, किन्तु एकादशेश शुक्र भाग्य भवन मं अपनी उच्च राशि मीन में विराजने से सभी के प्रति करूणा भाव बनाये रखने के प्रति संकल्पित रहे। अवतारी होने के बाद भी अपनी मानवीय मर्यादा में बने रहे। एक पत्नि व्रतधारी होने से उन्होंने सम्पूर्ण नारी समाज को गरिमा प्रदान की। मित्रों को सहोदर की तरह मान दिया। शत्रुओं के प्रति भी मानवीय मूल्यों का क्षरण उन्होंने नहीं स्वीकारा। वचनबद्धता राघव की निष्ठा का अमोघ शस्त्र रही।

■ द्वादश भवन:

मोक्ष का पर्याय - सीता पति राघव की कुण्डली के बारहवें भवन में मिथुन राशि की स्थापना ने मर्यादा पुरूषोत्तम राम की कथनी, करनी में कहीं भी अवरोध पैदा नहीं होने दिया। द्वादश भवन से ज्ञान तन्तु, स्वभाव, शांति, विवेक, व्यसन, सन्यास, शत्रु की रोक तथा धन-सुख-सम्मान का व्यय आदि का लेखा-जोखा देखा जाता है। द्वादश भवन में मिथुन राशि होने से सीता पति राघव भावुक थे। वैदेही हरण एवं लक्ष्मण को शक्ति लगने पर वे कैसे व्यथित हुए, यह तुलसीकृत रामायण में रोमांचकारी शब्द शैली में अंकित है। वनवास में राजसत्ता से 14 वर्षो तक दूर रहे किन्तु, पिता की आज्ञा को सर्वोपरि माना। सीताहरण में सुख और सम्मान का व्यय हुआ किन्तु अपने विवेक से वानर सेना का नेतृत्व कर शत्रुओं पर रोक ही नहीं लगाई अपितु, उनका नाश भी किया। वनवासी राम ने एक सन्यासी के रूप में 14 वर्ष वनों में बिताये। किसी भी नगर में वनवासी प्रभु श्रीराम ने 14 वर्षो की अवधि में प्रवेश नहीं किया, ऐसे सन्यासी हैं, प्रभु श्रीराम।

सचिन के पाली गाम मं दो मंजिला इमारत धराशाई

सूरत। सचिन पाली गाम में दो मंजिला इमारत गिरने से आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार विष्णु नगर सोसायटी में इस बिल्डींग के बगल में नया मकान बनाने के उसकी नींव डाली जा रही थी। इस बिल्डींग के निकट की ज्यादा मिट्टी हटने से इसकी नीव कमजोर हो गई। जिससे ईमारत गिराने की आशंका जताई जा रही हैं, और यह इमारत धराशाई हो गई। बिल्डर बांधकाम से मुनाफा कमाने के लिए आवश्यक सभी जरूरी दस्तावेज की जांच किए बिना ही सबंधित विभाग की लापरवाही बरतने के मामले सामने आते रहते है।

जहर गटकने से पूणा की महिला की मौत

सूरत। शहर के पूणा क्षेत्र आशानगर में रहने वाली एक महिला जहर गटक ली जिसे इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में ले जाया गया। वहां से गहन इलाज के लिए किरण अस्पताल में रेफर कर दिया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूणागांव आशानगर घर नं. 62 में रहने वाले सत्यनारायण प्रजापति की 35 वर्षीय पत्नी लक्ष्मीबेन गत 23 मार्च को किसी कारण से जहरीली दवा गटक ली थीं। जिनको इलाज के लिए सबसे पहले स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके बाद गहन इलाज के लिए किरण अस्पताल में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने लक्ष्मीबेन को मृत घोषित कर दिया। पूणा पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

मोटरसाइकिल से गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत

सूरत। कतारगांव ललिता चौकड़ी के पास रहने वाला युवक मोटरसाइकिल फिसलने से गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां पर उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कतारगांव ललिता चौकड़ी कंतारेश्वर सोसाइटी के घर नं. 16 में रहने वाले प्रफुल्ल वालजी बोदर के बेटे जीत (18 वर्ष) गत 24 मार्च को अपनी मोटरसाइकिल तेज गति से लेकर जा रहा था। उसी समय सलिता चौकड़ी के पास मोटरसाइकिल अचानक फिसलने से जीत गिर गया। जिसको इलाज के लिए स्मीमेर अस्पताल में भर्ती किया गया । जहां पर चिकित्सकों ने जांच करके जीत को मृत घोषित कर दिया। कतारगांव पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

सूरत। आज राजस्थान देहात जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालसिंह झाला तथा मांगीलाल गरासिया पूर्व मंत्री राजस्थान नारायण पालिवाल के सूरत पदार्पण पर समस्त गोगुन्दा विधानसभा के कार्यकर्ताओं द्वारा रविवार को तुलसी पार्टी प्लोट में सम्मान किया गया।आयोजक गौरव श्रीमाली ने बताया कि आगुन्तक लालसिंह झाला व मांगीलाल गरासिया के सूरत पधारने पर उनका स्वागत समारोह का आयोजन रखा गया था।उदयपुर संभाग के जोध सिंह ,राकेश पालिवाल ,डूगर सिंह देवड़ा, गौतम दवे ,कीर्ति श्रीमाली , सुरेश पालिवाल , अनिल जोशी , कमलेश श्रीमाली , महेंद्र श्रीमाली , हितेश श्रीमाली , पर्वत सिंह बोखड़ा ,कुलदीप सिंह चोहान , श्रवण सिंह मकवाना, देवेंद्र सिंह मोजावत, हिम्मत जी सिंघवी , तेज़ सिंह जी छाज़ेड ,देवेंद्र सिंह देवड़ा, शेतान सिंह , शांति लाल पालिवाल, दीपक पालिवाल ,गणपत सिंह चोहन ,मिट्ठा लाल जोशी , कार्यकर्ताओं ने जोश के साथ स्वागत किया और सेकडो कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

सूरत। रामनवमी के उपलक्ष में आज भटार राम मंदिर में भगवान राम और हनुमान की प्रतिमा को श्रृंगारित किया। भक्तो से शीश झुका कर आशीर्वाद लिया। मंदिर में आज शाम को भंडारा किया। भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

स्मीमेर हॉस्पिटल में से तीन वर्ष के बालक को महिला लेकर फरार

सूरत। महानगरपालिका संचालित स्मीमेर अस्पताल के गायनेक वार्ड में भर्ती महिला के तीन वर्षीय बालक को एक अज्ञात महिला लेकर फरार हो गई। इस संदर्भ में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच कर महिला को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मीमेर अस्पताल में गायनेक समस्या के कारण गणेश राठोड़ की पत्नी को भर्ती किया गया था। सी-1 वार्ड में भर्ती महिला अपने 3 वर्षीय पुत्र के साथ सो रही थी। उसी दौरान पांच बजे कोई अज्ञात महिला गणेश राठौड़ के बेटे को लेकर फरार हो गई। इसके बाद मां की जब आंख खुली तब अपने बेटे को अपने पास न पाकर रोने लगी। घटना की जानकारी होने पर वराछा पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच शुरू की है। सीसीटीवी फुटेज जांच के दौरान अज्ञात महिला बच्चे को लेकर जाते हुए दिखाई दी। पुलिस ने महिला को पकड़ने के लिए कवायद तेज कर दी है।

12वीं बोर्ड के मेधावी छात्रों को स्व. शंभुभाई पटेल शिक्षण प्रतिभा सम्मान

बोर्ड की परीक्षा में ए ग्रेड पाने वाले 250 विद्यार्थी पुरस्कृत

सूरत। श्रीमती आई वी पटेल फाउंडेशन फॉर एजुकेशन, लर्निन एण्ड रिसर्च के उपक्रम में शहर के जीवन भारती पाठशाला के रंगभवन में आयोजित समारोह में राज्य आयोजन आयोग के उपाध्यक्ष नरहरि अमीन के हाथों ए-वन ग्रेड प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। जिसमें मार्च 2017 में 12वीं बोर्ड की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए सामान्य एवं विज्ञान संकाय के सूरत के 250 तेजस्वी विद्यार्थियों को स्व. शंभुभाई पटेल शिक्षण प्रतिभा पुरस्कार से नवाजा गया।

इस प्रसंग दौरान राज्य के भूर्तपूर्व नायब मुख्यमंत्री, पूर्व शिक्षण मंत्री एवं गुजरात आयोजन आयोग के उपाध्यक्ष नरहरि अमीन ने कहा कि सूरत शहर और जिला में शिक्षण के प्रमाण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। शिक्षण क्षेत्र में नई ऊचाइयों को सर करने वाले गुजरात के बालकों में शिक्षण की ललक जगी है।

सूरत में चौफेर धूमधाम से मनाई गई राम नवमी

सूरत। शहर में रविवार को जहां अष्टमी का लोगों ने व्रत रखा, वहीं एक तिथि की हानि होने के चलते श्रीरामनवमी विभिन्न संगठनों की ओर से शहर में चौफेर मनाई गई। इस अवसर पर सूरत शहर के पांडेसरा, उधना, नवागांव डिंडोली, गोडादरा, लिम्बायत, भटार, भेस्तान, चौक, कतारगांव, वराछा, अमरोली, अडाजण, वेडरोड सहित अन्य इलाके में गाजे-बाजे के साथ श्रीराम जन्मोत्सव की भव्य झांकी निकाली गई। इस अवसर पर हिंदू वाहिनी, बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य हिंदू धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने पूरे शहर में बाईक रैली निकाली। रविवार को पूरा शहर श्रीराम के रंग में रंगा नजर आया। पांडेसरा के अपेक्षा नगर निवासी रमेश चंद्र मौर्य भगत व रेखा मौर्या ने अपने घर में नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना कर मां दुर्गा के आठ स्वस्वरूपों की पूजा की। उन्होंने रविवार को हवन पूजन और देवी स्वस्वरू नौ कन्याओं को भोजन कराकर व्रत का पारण किया।

भाजपा ने तापी से जलकुंभी हटाने का महाअभियान शुरू किया

सूरत। तापी नदी में पानी कम और जलकुंभी अधिक होने की स्थिति में भाजपा ने तापी शुद्धिकरण का अभियान रविवार को शुरू किया। सुबह से ही भाजपा के कार्यकर्ता सफाई अभियान में जुट गए और नदी में चारो ओर फैली जलकुंभी को नाव में बैठकर निकालना शुरू किए। सभी कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी की छाप वाली टी-शर्ट पहने हुए थे। रविवार को रामनवमी होने से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता तापी नदी के दोनों किनारे जुटे थे। सभी लोग नाव से जलकुंभी निकालकर उसे टेम्पो में भरकर निस्तारण करने में लगे रहे।

सूरत। वराछा गरनाला के पास पोद्दार आर्केट के समक्ष ट्रैफिक जाम के कारण अनेक वाहन चालक परेशान हुए। हीरा बाजार और मुख्य मार्ग होने से सारे दिन वाहनों का आवागमन से ट्रैफिक जाम लगा रहता है,लिहाजा, इस पॉइन्ट पर बिग्रेड के जवान की उपस्थिति नगण्य रहती है।

एनटीएम बोर्ड रूम में हुआ राजस्थान के स्वास्थ्य सचिव का स्वागत

सूरत। फोस्टा की ओर से राजस्थान के श्री एलएन सोनी आईएएस पूर्व जिला कलेक्टर सीकर तथा स्वास्थ्य सचिव राजस्थान सरकार का एनटीएम मार्केट के बोर्ड रूम में भव्य स्वागत किया गया। एलएन सोनी ने बतौर जिलाध्यक्ष रहकर पाली, भरतपुर, सीकर, जालौर आदि जिलों में अपनी ईमानदार छवि से लोगों के काम करके लोगों के दिलों में जगह बनाई है। ऐसे ऊर्जावान व्यक्तित्व का शनिवार को फोस्टा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल ने साफा पहनाकर व महामंत्री चंपालाल बोथरा ने पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। वहीं स्वागत से गद्गद स्वास्थ्य सचिव एलएन सोनी ने सूरत में आपसी प्रेम व भाईचारे को अनूठा बताते हुए कहा कि सूरत में सभी लोग उत्साहित हैं। उनमें उमंग भरा हुआ है जिसकी वजह से गुजरात के विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति का भी आनंद लेते हैं। स्वागत करने वालों में पूर्व फोस्टा अध्यक्ष श्रीकृष्ण बंका, निर्मल जैन, हरिओम मार्केट अध्यक्ष दीपचंद चौधरी, जितेंद्र कसोदरिया, एनटीएम मार्केट अध्यक्ष जगदीश गोयल, त्रिलोक गांधी, मनोहर सिंह, पवनजी, बजरंगभाई खण्डेलवाल, राम रतन बोहरा, ललित शर्मा, विश्वनाथ पचेरिया, आनंद मालपानी, निरंजन अग्रवाल, पवन बोथरा, किशोर भंसाली सहित काफी तादाद में कपड़ा व्यापारी शामिल रहे।

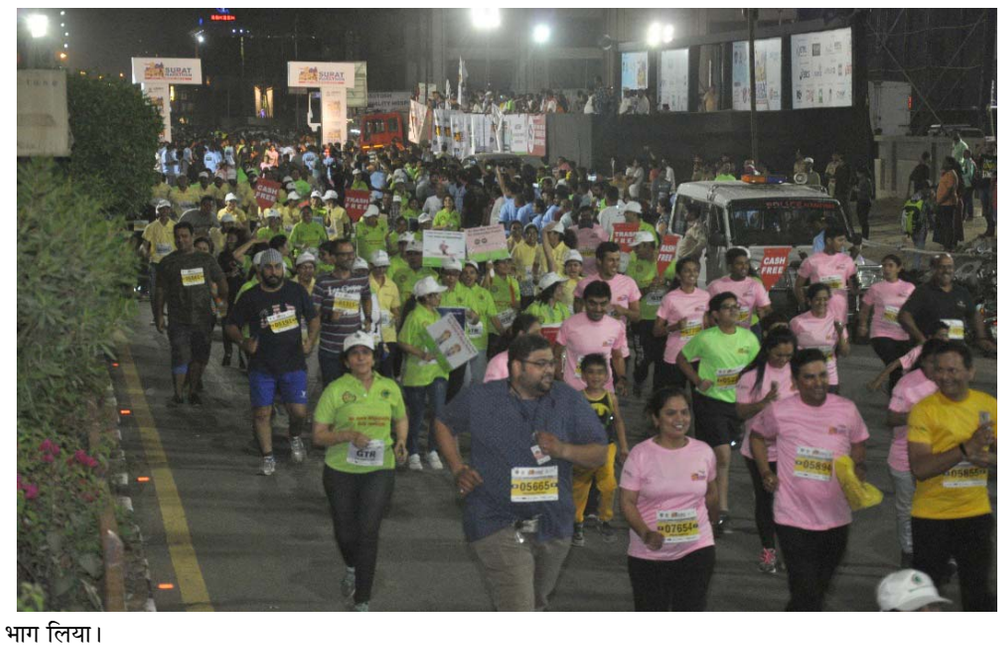

सूरत। सूरत के वीआईपी रोड़ पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें सूरत शहर के युवाओं एवं बुजुर्गों ने भाग लिया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com